रजत जयन्ती ग्रन्थमाला-23

सुवर्णद्वीपीय रामकथा

राजेन्द्र मिश्र

राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम्

विषयानुक्रम

विषय	पृष्ठसंख्या
प्राग्वाचिक	१
बृहत्तर भारत : एक परिचय	३-१४
यवद्वीपीय हिन्दूसाम्राज्य : स्थापना एवं विस्तार	१५-२०
प्राचीनजावी साहित्य : उद्भव एवं विकास	२१-२६
सुवर्णद्वीपीय रामकथा का मूलस्रोत : रामायणककविन्	२७-६०
सुवर्णद्वीपीय रामकथा के प्रमुख वैशिष्ट्य :	६१-८७
(क) अभिनव चरितसर्जना	
(ख) भावयित्री प्रतिभा का परिपाक	
(ग) शास्त्रप्रतिभा की विपुलता	
(घ) लोकाभिव्यक्ति	
(ङ) राम एवं सीता का देवत्व	
सुवर्णद्वीपीय रामकथा-परम्परा के विविध रूप :	८८-९७
(क) स्थापत्य एवं रामकथा	
(ख) रंगमञ्च (वायांग) एवं रामकथा	
(ग) हस्तशिल्प एवं रामकथा	
सुवर्णद्वीपीय रामायण संस्कृति : एक मूल्यांकन	९८-१०१
आधार ग्रन्थ	१०२

लिये) अगम्य है । वह क्षेत्र सूर्य एवं चन्द्र से रहित, अन्धकार से आच्छन्न तथा पूर्णत: अदृश्य है—

यत्नवन्तों यवद्वीपं सप्तराज्योपशोभितम्।
सुवर्णरूप्यकद्वीपं सुवर्णाकरमाण्डितम्।
यवद्वीपमतिक्रम्य शिशिरो नाम पर्वत:।
दिवं स्पृशति शृङ्गेण देवदानवसेवित:॥
ततो रक्तजलं प्राप्य शोणाख्यं शीघ्रवाहिनम्।
गत्वा पारं समुद्रस्य सिद्धचारणसेवितम्।
तत: परमगम्या स्याद् दिक्पूर्वा त्रिदशावृता।
रहिता सूर्यचन्द्राभ्यामदृश्या तमसाऽवृता॥

रामा. कि. का. प. ४०

त्रिकालदर्शी **महर्षि वाल्मीकि** का यह सागरद्वीपीय वर्णन निश्चय ही संशयालु पाश्चात्य विद्वानों के लिये 'अपाच्य' होगा । परन्तु आस्थालु भारतीयों के लिये इसमें अविश्वास एवं अनास्था का प्रश्न ही नहीं उठता । वाल्मीकि *रामकथा* की प्रस्तुति में अपनी 'अशक्ति' प्रकट करने पर भगवान् परमेष्ठी ने स्वयं प्राचेतस **वाल्मीकि** को यह कहकर आश्वस्त किया था कि 'अनदेखे रहस्य एवं सत्य स्वमेव तुम्हें उद्भासित हो जायेंगे । ये ऋषे ! इस काव्य में तुम वही वर्णित करोगे जो सत्य होगा ।'

और सचमुच, गंगा एवं तमसा के संगम (वर्तमान मेजा क्षेत्र, इलाहाबाद जनपद) पर अपने पर्णकुटीर में बैठे आदिकवि वाल्मीकि ने प्रशान्तमहासागर का सारा क्षेत्र अपने अतीन्द्रिय ज्ञान (Transcendental knowledge) से प्रत्यक्ष देख लिया । वाल्मीकिकृत, जावा, बाली, लोम्बोक, बोर्नियो तथा ईरियञ्जण आदि द्वीपों का यह भौगोलिक वृत्त कितना क्रमिक, सटीक एवं विश्वनीय है — इसका अनुभव अपने बाली द्वीपीय प्रवास (मई १९८७ से अप्रैल ८९ ई) में किया ।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
56-57, इन्स्टिट्यूशनल एरिया, पंखा रोड,
जनकपुरी, नई दिल्ली-110058